All India Road Transport Workers' Federation

P. Ramamurty Bhawan, Plot No.-20, M.B. Road, Pushp Vihar, Sector 6, Family Court Lane,
Saket, New Delhi-110017, INDIA, E Mail: airtwf.delhi@gmail.com, Website: www.airtwf.org

President: Nepaldev Bhattacharjee, Ex-M.P
General Secretary: R. Lakshmaiah

Working President: K.K. Divakaran, Ex-M.L.A.
Treasurer: C. K. Harikrishnan

प्रकाशन के पक्ष में: **दिनांक: 25–04–2025**

ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन माननीय परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी को धन्यवाद देता है कि उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि ट्रक चालक प्रतिदिन 13–14 घंटे काम कर रहे हैं और सरकार ट्रक चालकों के लिए काम के घंटों पर कानून बनाने पर विचार कर रही है। मंत्री ने ये टिप्पणियां 24–04–2025 को दिल्ली में ENCAP और IRTE द्वारा आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कीं।

दरअसल, नेशनल परमिट ट्रक ड्राइवर 13–14 घंटे काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे पूरे दिन काम कर रहे हैं। लेकिन विडंबना यह है कि पहले नेशनल परमिट ट्रकों पर दो ड्राइवर नियुक्त करने का नियम था। इसे मंत्री श्री नितिन गडकरी और सरकार ने वापस ले लिया। मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स एक्ट–1961 में स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि किसी भी ट्रांसपोर्ट वर्कर को 08. 00 घंटे से अधिक काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस पृष्ठभूमि में ट्रक ड्राइवरों के काम के घंटों पर एक और कानून बनाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

यहाँ यह बताना अनुचित नहीं होगा कि सरकार ने 29 अधिनियमों को निरस्त कर दिया है और 4 श्रम संहिताएँ लाई हैं। इन 4 संहिताओं में से एक है "व्यावसायिक सुरक्षा और कार्य स्थिति संहिता"। ऐसा करके एम.टी.डब्लू. अधिनियम को निरस्त कर दिया गया है और काम के घंटों का निर्णय सरकार के विवेक पर छोड़ दिया गया है। सभी खतरनाक काम करके, ड्राइवरों और काम के घंटों के बारे में बात करना ड्राइवर समुदाय के साथ धोखा करने के अलावा और कुछ नहीं है।

इससे पहले एक बैठक में परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में ठेकेदार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ठेकेदारों और संबंधित इंजीनियरों को जेल भेजा जाना चाहिए। अभी तक कुछ नहीं हुआ है और खराब सड़कों का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है।

अगर मंत्री जी वाकई अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें सबसे पहले सभी गलत कामों को सुधारने के लिए उचित कार्रवाई शुरू करनी चाहिए और फिर अपनी विफलताओं के लिए पद छोड़ना चाहिए। तभी ड्राइवरों और सड़क परिवहन क्षेत्र के सभी हितधारकों के बीच विश्वास पैदा किया जा सकता है।

(आर.लक्ष्मैया)
महासचिव